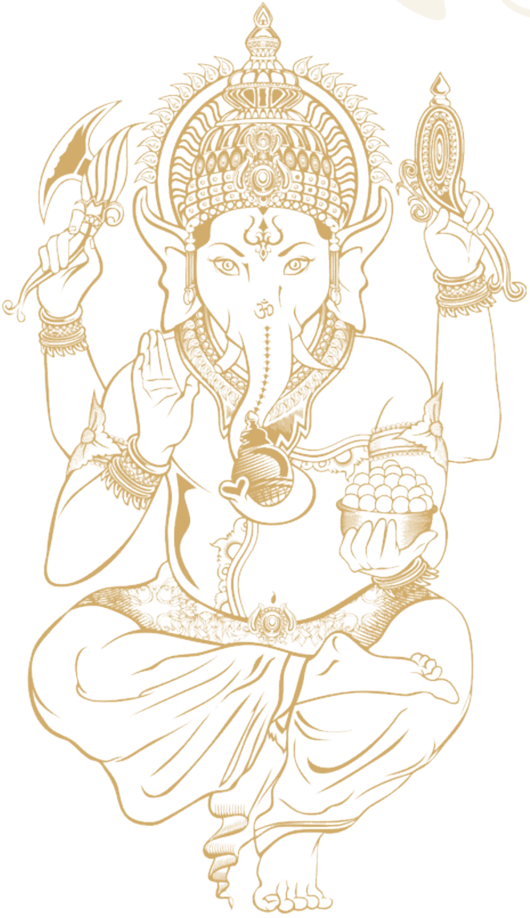

Tanuja Vikas Patil

21 Sep 2006

08:06 PM

Kolhapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121792604

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 21/09/2006**
दिवस	: गुरुवार
जन्म समय	**: 20:06:00 कला**
इष्ट	: 34:20:46 घटी
स्थान	**: Kolhapur**
राज्य	: Maharashtra
देश	: India

अक्षांश	: 16:42:00 उत्तर
रेखांश	: 74:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:32:44 कला
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 कला
स्थानिक वेल	: 19:33:16 कला
वेलान्तर	: 00:06:48 कला
साम्पातिक वेल	: 19:34:36 कला
सूर्योदय	: 06:21:41 कला
सूर्यास्त	: 18:29:50 कला
दिनमान	: 12:08:09 कला
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्याचे अंश	: 04:31:18 कन्या
लग्नाचे अंश	: 05:08:08 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	: मेष – मंगळ
राशि–स्वामी	**: सिंह – रवि**
नक्षत्र–चरण	**: पू.फाल्गुनी – 4**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: शुभ
करण	: चतुष्पाद
गण	: मनुष्य
योनि	: उंदीर
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: टू–तूलिका
पाया(राशि–नक्षत्र)	: रजत – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

FUTUREPOINT Astro Solutions
X-35, Okhla Phase II, New Delhi - 110020 Ph. 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

ग्रह स्पष्ट तथा त्यांची स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	05:08:08	428:09:00	अश्विनी	2	1	मंगळ	केतु	मंगळ	–––
सूर्य			कन्या	04:31:18	00:58:41	उ.फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			सिंह	25:00:02	11:47:08	पू.फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगळ		अ	कन्या	14:45:55	00:39:12	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	20:22:27	01:34:01	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वगृही
गुरु			तुला	22:48:27	00:10:45	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	25:04:42	01:14:37	पू.फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
शनि			कर्क	26:25:07	00:06:37	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु			मीन	01:25:48	00:00:02	पू.भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु			कन्या	01:25:48	00:00:02	उ.फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:09:45	00:02:16	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	–––
नेप	व		मक	23:27:19	00:01:08	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगळ	मंगळ	–––
प्लूटो			धनु	00:11:58	00:00:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	–––
दशम भाव			धनु	27:56:13	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
लाहिरी अयनांश : 23:57:05

लग्न–चलित

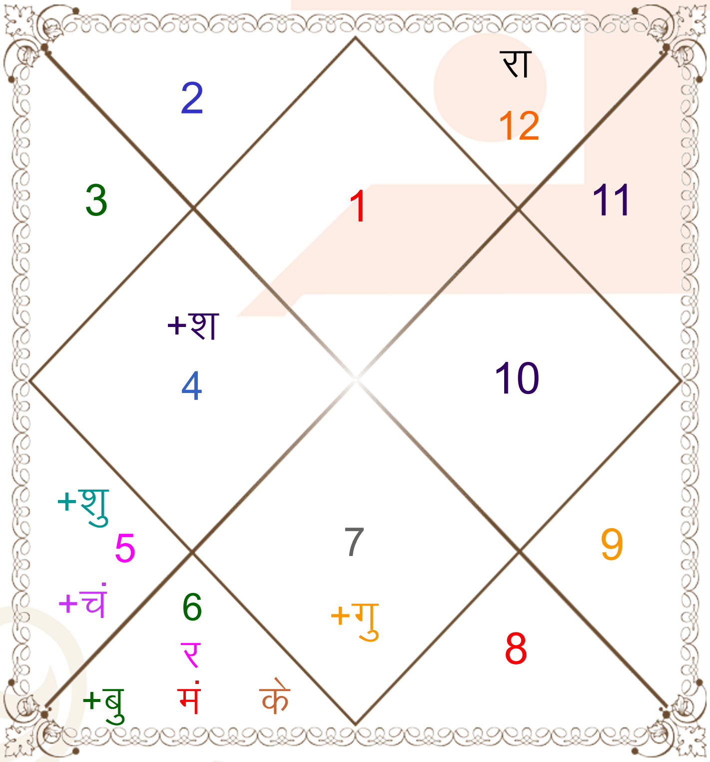

चन्द्र कुंडली

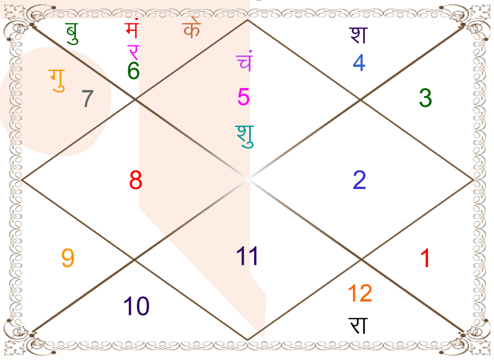

नवमांश कुंडली

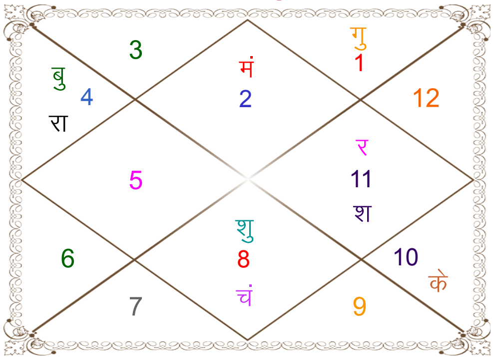

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा वेल : शुक्र 2 वर्ष 5 महिना 30 दिवस

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगळ 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/09/2006		22/03/2009		23/03/2015		22/03/2025		22/03/2032	
22/03/2009		23/03/2015		22/03/2025		22/03/2032		22/03/2050	
	00/00/0000	सूर्य	10/07/2009	चंद्र	21/01/2016	मंगळ	18/08/2025	राहु	03/12/2034
	00/00/0000	चंद्र	08/01/2010	मंगळ	21/08/2016	राहु	06/09/2026	गुरु	28/04/2037
	00/00/0000	मंगळ	16/05/2010	राहु	20/02/2018	गुरु	13/08/2027	शनि	04/03/2040
	00/00/0000	राहु	10/04/2011	गुरु	22/06/2019	शनि	20/09/2028	बुध	21/09/2042
	00/00/0000	गुरु	27/01/2012	शनि	20/01/2021	बुध	18/09/2029	केतु	09/10/2043
	00/00/0000	शनि	08/01/2013	बुध	22/06/2022	केतु	14/02/2030	शुक्र	09/10/2046
	21/09/2006	बुध	15/11/2013	केतु	21/01/2023	शुक्र	16/04/2031	सूर्य	03/09/2047
बुध	21/01/2008	केतु	22/03/2014	शुक्र	20/09/2024	सूर्य	22/08/2031	चंद्र	04/03/2049
केतु	22/03/2009	शुक्र	23/03/2015	सूर्य	22/03/2025	चंद्र	22/03/2032	मंगळ	22/03/2050

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
22/03/2050		22/03/2066		22/03/2085		23/03/2102		23/03/2109	
22/03/2066		22/03/2085		23/03/2102		23/03/2109		00/00/0000	
गुरु	10/05/2052	शनि	25/03/2069	बुध	19/08/2087	केतु	20/08/2102	शुक्र	23/07/2112
शनि	21/11/2054	बुध	03/12/2071	केतु	15/08/2088	शुक्र	20/10/2103	सूर्य	23/07/2113
बुध	26/02/2057	केतु	11/01/2073	शुक्र	16/06/2091	सूर्य	24/02/2104	चंद्र	24/03/2115
केतु	02/02/2058	शुक्र	13/03/2076	सूर्य	21/04/2092	चंद्र	25/09/2104	मंगळ	23/05/2116
शुक्र	03/10/2060	सूर्य	23/02/2077	चंद्र	21/09/2093	मंगळ	21/02/2105	राहु	23/05/2119
सूर्य	22/07/2061	चंद्र	24/09/2078	मंगळ	18/09/2094	राहु	11/03/2106	गुरु	21/01/2122
चंद्र	21/11/2062	मंगळ	03/11/2079	राहु	06/04/2097	गुरु	15/02/2107	शनि	23/03/2125
मंगळ	28/10/2063	राहु	09/09/2082	गुरु	13/07/2099	शनि	26/03/2108	बुध	22/09/2126
राहु	22/03/2066	गुरु	22/03/2085	शनि	23/03/2102	बुध	23/03/2109		00/00/0000

- वरील दशा चन्द्रमा चे अंशा चे आधार वर्ती दीलेली आहे. भयात भभोग चे आधार अनुसार दशाच्या भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 6 मा 1 दि होता आहेत.
- वरील दिनांक दशा समाप्ति चा समय दाखवते. विंशोत्तरी दशा पूर्ण 120 वर्षाची बिना आयुनिर्णय दिलेली आहे.

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।